



दी नैक्स पोस्ट

साप्ताहिक

7

3

नौकरी गई, मासूम की जान ली

5

लखनऊ आम महोत्सव का शुभारंभ

8

लियोनल मेसी ने विक्कप में पूरे किए 20 गोल

UPHIN/2023/90814

वर्ष: 04, अंक: 02

पृष्ठ संख्या: 8

मूल्य: 1.00 रु.

सोमवार 06 जुलाई, 2026

भारत का बड़ा एक्शन

लश्कर-जैश के 23 आतंकियों को घोषित किया टेररिस्ट, बिलबिला उठेगा पाकिस्तान

दिल्ली, एजेंसी। आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए 23 आतंकियों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आधिकारिक तौर पर आतंकवादी घोषित कर दिया है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी गजट अधिसूचना में इन सभी के नाम **UAPA** की चौथी अनुसूची में शामिल किए गए हैं। सरकार का कहना है कि ये सभी भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं और इनमें अधिकांश पाकिस्तान या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में छिपे हुए हैं। **जैश और लश्कर से जुड़े कई नाम शामिल**
गृह मंत्रालय की सूची में मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान और हाफिज अब्दुल शकूर जैसे नाम शामिल हैं। इन पर 2016 में नगरोटा स्थित भारतीय सेना शिविर पर हुए आतंकी हमले और 2022 में जम्मू के सुंजवा में सुरक्षा बलों पर हुए हमले से जुड़े होने के आरोप हैं। इसके अलावा लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े अब्दुल रऊफ और हाफिज खालिद वलीद को आतंकी सरगना हाफिज मोहम्मद सईद का करीबी सहयोगी बताया गया है।



केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए **UAPA** के तहत 23 आतंकियों को आधिकारिक रूप से आतंकवादी घोषित कर दिया है।

बंगलुरु का रहने वाला, पाकिस्तान में सक्रिय

इस सूची में मोहम्मद शहीद फैसल उर्फ उस्ताद उर्फ जाकिर का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है। अधिसूचना के अनुसार उसका स्थायी पता बंगलुरु (कर्नाटक) का है, जबकि वह वर्तमान में पाकिस्तान के रावलपिंडी में रह रहा है। सरकार का आरोप है कि वह लश्कर-ए-तैयबा, अल-कायदा और **ISIS** से जुड़े मॉड्यूल के संपर्क में रहा है। उस पर सोशल मीडिया के जरिए युवाओं की भर्ती करने, हथियारों की ट्रेनिंग दिलाने और आतंकी गतिविधियों के लिए फंड जुटाने के आरोप भी हैं। **UAPA के तहत कार्रवाई होगी आसान**
गृह मंत्रालय ने अधिसूचना में कहा है कि इन व्यक्तियों के आतंकवादी

गतिविधियों में शामिल होने के पर्याप्त आधार मिले हैं। इसी आधार पर **UAPA** की धारा 35 के तहत इनके नाम चौथी अनुसूची में शामिल किए गए हैं। इस सूची में नाम दर्ज होने के बाद इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई, जांच और संपत्ति से जुड़े कदम उठाने की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी हो सकेगी।

गृह मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

यह अधिसूचना गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव राकेश राठी की ओर से जारी की गई है। सरकार ने साफ किया है कि आतंकवाद के खिलाफ उसकी जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी और देश की सुरक्षा के लिए ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और महामंत्री बीएल संतोष का लखनऊ में जोरदार स्वागत



बीजेपी अध्यक्ष का लखनऊ में स्वागत करते सीएम योगी



लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद नितिन नबीन उत्तर प्रदेश के पहले दौर पर लखनऊ पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक ने उनकी अगवानी की। एयरपोर्ट परिसर सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी से गुलजार रहा। कार्यकर्ताओं ने पार्टी के समर्थन में जोशीले नारे लगाए और ढोल-नगाड़ों की थाप पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह सहित पार्टी के कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी भी मौजूद रहे। स्वागत समारोह को आकर्षक बनाने के लिए एयरपोर्ट परिसर में जगह-जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कलाकारों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किए, जिससे पूरा माहौल उत्सवमय हो गया। इस अवसर पर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का लखनऊ आगमन भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी है। उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा

कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा संगठन पूरी मजबूती के साथ जनसेवा और विकास के संकल्प को आगे बढ़ा रहा है। उनके इस दौरे को यादगार बनाने को राज्य इकाई के नेता और कार्यकर्ता कोई कसर नहीं छोड़ी है। चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लेकर भाजपा के राज्य मुख्यालय तक सड़क के दोनों ओर स्वागत के लिए हार्डिंग और अन्य सामग्री पटी पड़ी है। भगवा गुब्बारों में गैस पूरी भरी है और कार्यकर्ता विभिन्न वेशभूषा में नितिन नबीन व बीएल संतोष का जोरदार स्वागत किया। उमस वाले मौसम की चिलचिलाती धूप भी इनके जोश पर कोई असर नहीं डाल पा रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष शनिवार को दोपहर में लखनऊ पहुंचे। एयरपोर्ट से एक ट्रक पर सवार नितिन नवीन व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष का भाजपा के नेता और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। उनके साथ वाहन पर भाजपा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पंकज चौधरी भी हैं।

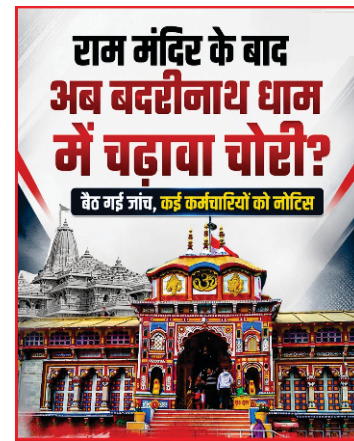


इन्फ्लुएंसर का कत्ल
पति ने मार डाला, खुद भी जान देने की कोशिश

- निशा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 25000 फॉलोअर हैं
- पुलिस बोली-प्लॉट नाम कराने को लेकर दंपती में हुआ विवाद

मेरठ, संवाददाता। यूपी के मेरठ में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निशा चौहान की हत्या का मामला सामने आया है। निशा को पति ने चाकू से गोदकर मार डाला। बीच-बचाव में निशा का बेटा भी घायल हो गया। पति ने खुद को भी चाकू मारकर जान देने की कोशिश की। निशा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 25000 फॉलोअर हैं। मेरठ के सरूरपुर के कस्बा हर्रा में शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और ब्यूटी पार्लर संचालिका निशा चौहान की उनके पति प्रदीप चौहान ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। बीच-बचाव में आया 17 वर्षीय बेटा देव भी चाकू लगने से घायल हो गया।

वारदात के बाद प्रदीप ने खुद को भी चाकू मारकर जान देने की कोशिश की। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने निशा के भाई अंकित की तहरीर पर प्रदीप चौहान, उसके चचेरे भाई विकास और मामा के बेटे राहुल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच प्लॉट के बैनामे और गली में गेट लगाने को लेकर विवाद हुआ था। इन्फ्लुएंसर निशा का पड़ोस में रहने वाले प्रदीप के चचेरे भाई विकास से गली के रास्ते पर गेट निकलवाने को लेकर विवाद चल रहा था। उसने कई बार एसडीएम और सीओ से इसकी शिकायत की।



राम मंदिर के बाद अब बदरीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी?
बैठ गई जांच, कई कर्मचारियों को नोटिस

राम मंदिर में दान चोरी का मामला अभी सुलझ नहीं पाया है। तबतक विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम से चौकाने वाली खबर सामने आ रही है। दरअसल, इन दिनों सोशल मीडिया पर एक पत्र तेजी से वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि बदरीनाथ धाम में भी आने वाले दान और चढ़ावे की रकम में हेरफेर की जा रही है। बढ़ते मामले को देखते हुए बदरीनाथ-कदारनाथ मंदिर समिति बीकेटीसी ने जांच के आदेश दे दिए।



सुरेंद्र की हत्या
की फुल स्टोरी

- पति की हत्या कर बाथरूम में दफनाया शव
- पत्नी ने खीर में मिलाई थी नीड की गोलियां
- डेढ़ माह बाद सुरेंद्र की हत्या का खुलासा

यूपी में एक और पति का कत्ल-नींद की गोलियां देकर मारा, बाथरूम में गाड़ दी लाश

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां महिला ने पति की हत्या कर शव को बाथरूम में दफना दिया। उसके ऊपर से मिट्टी डालकर फर्श करा दिया। पति के शराब पीकर झगड़ा करने से तंग आकर महिला ने खीर में नीड की गोलियां मिलाई थीं। हत्याकांड का डेढ़

माह बाद खुलासा हुआ है। आगरा के सिकंदरा के दहतोरा में महिला ने शराब पीकर झगड़ा करने से तंग आकर पति सुरेंद्र (44) की हत्या कर दी। इसके बाद शव बाथरूम में दफना दिया और मिट्टी को बुलाकर फर्श बनवा दिया। पुलिस के अनुसार, खीर में 20 से अधिक नीड की गोलियां मिलाकर हत्या की गई। हत्या के

डेढ़ माह बाद पुलिस बुधवार को एक पुराने मामले में सत्यापन के लिए सुरेंद्र के घर पहुंची तो पत्नी रूबी घबरा गई। शुक्रवार को उसने अपने जेट अनिल को बुलाया और घटना की जानकारी दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फर्श खोदकर सुरेंद्र का कंकाल बरामद करते हुए रूबी को गिरफ्तार कर लिया।

तीनों दिनों कोलकाता नगर निगम ने सुहरावर्दी एवेन्यू रोड का नाम बदलकर गोपाल मुखर्जी रोड कर दिया। इस बदलाव को लेकर जहां कांग्रेस, टीएमसी एवं वामपंथी बुद्धिजीवी यह तर्क दे रहे हैं कि इस सड़क का नाम हुसैन शहीद सुहरावर्दी पर नहीं, बल्कि उनके चाचा सर हसन सुहरावर्दी के नाम पर रखा गया था, जो अंग्रेजों के जमाने के जाने-माने शिक्षाविद्, चिकित्सक एवं 1930-34 के बीच कलकत्ता विश्वविद्यालय के वाइस-चांसलर थे। वहीं बंगाल की बहुसंख्यक आबादी इस परिवर्तन को षड्यंत्रपूर्वक विस्मृत कर दिए गए एक महान नायक शोपाल पाठाई (प्रचलित नाम) को उचित सम्मान दिलाने के लिए एक आवश्यक कार्रवाई के रूप में देख रही है।

वस्तुतः नाम परिवर्तन के विरोध में खड़े दल एवं बुद्धिजीवी इस मुद्दे को भी अपनी सुविधा से प्रस्तुत कर रहे हैं और तस्वीर के स्याह पहलुओं को जान-बूझकर छुपा रहे हैं। जिस हसन सुहरावर्दी को वे एक महान शिक्षाविद्, चिकित्सक, समाजसेवी बताते नहीं थक रहे, दरअसल उनकी विरासत एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि उनके भतीजे हुसैन शहीद सुहरावर्दी से अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। दोनों न केवल एक ही कुल-खानदान के वारिस थे, बल्कि मुस्लिम लीग के नेता भी थे। दोनों ने विभाजनकारी राजनीति का पोषण किया। दोनों जिन्ना के द्विराष्ट्र सिद्धांत के प्रबल समर्थक थे। तत्कालीन ब्रिटिश सरकार द्वारा हसन सुहरावर्दी को श्नाइटहुड्स की उपाधि इसलिए प्रदान की गई थी, क्योंकि उन्होंने छह फरवरी, 1932 को कलकत्ता विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में तत्कालीन गवर्नर स्टैनली जैक्सन पर गोली चलाने से महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता-सेनानी बीना दास को बलपूर्वक रोका था।

इस कदम के लिए जिस दिन बीना दास को जेल भेजा गया, उसी दिन औपनिवेशिक सत्ता के प्रति राजभक्ति प्रदर्शित करने के लिए हसन सुहरावर्दी को श्नाइटहुड्स की उपाधि प्रदान की गई। इसके आबाद अप्रैल, 1933 में ब्रिटिश सरकार ने उनके नाम पर कोलकाता के एक सड़क का नाम स्मृहरावर्दी एवेन्यू रख दिया। यह भी कहा जा रहा है कि हसन सुहरावर्दी ने ब्रिटिश सरकार का विरोध जताने के लिए 1946 में श्नाइटहुड्स की उपाधि लौटा दी थी। यह भी आधा सच है। पूरा सच यह है कि मुस्लिम लीग के आह्वान पर भारत विभाजन की मांग को व्यापक स्वीकृति दिलाने के उद्देश्य से उन्होंने श्नाइटहुड्स की उपाधि लौटाई थी। हसन सुहरावर्दी की बेटी आगे चलकर पाकिस्तान की पहली महिला सिविल सेवक बनीं, संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल की सदस्य रहीं और पाकिस्तान ने उन्हें मरणोपरांत सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-इस्तिआज से सम्मानित किया।

सड़क हादसे में बिखर गया परिवार

दिल्ली से लौट रहे परिवार की स्कार्पियो
ट्रक से भिड़ी, 3 की मौत- 4 गंभीर

गोरखपुर, संवाददाता।

अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर मुबारकगंज के पास उनकी स्कार्पियो की एक ट्रक से भीषण टक्कर हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि दुर्गेश गुप्ता (55), उनकी बेटी पिंकी गुप्ता (30) तथा नातिन परी गुप्ता (8) की मौके पर ही मौत हो गई। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के चेतिया निवासी एक ही परिवार पर बुधवार देर रात लौटते समय दर्दनाक हादसे ने कहर बरपा दिया। अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर मुबारकगंज के पास स्कार्पियो और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। घटना से पूरे कस्बे में शोक व्याप्त हो गया। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के चेतिया निवासी दुर्गेश गुप्ता उर्फ मुन्नु गुप्ता (55) अपनी पत्नी विजयलक्ष्मी, बड़े बेटे अभिषेक गुप्ता उर्फ रवि गुप्ता तथा अन्य परिजनों के साथ दिल्ली में अपनी छोटी बेटी के घर आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद परिवार बुधवार शाम को दिल्ली से स्कार्पियो से वापस सिद्धार्थनगर के लिए रवाना हुआ।



देर रात अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर मुबारकगंज के पास उनकी स्कार्पियो की एक ट्रक से भीषण टक्कर हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि दुर्गेश गुप्ता (55), उनकी बेटी पिंकी गुप्ता (30) तथा नातिन परी गुप्ता (8) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में पत्नी विजयलक्ष्मी गुप्ता (50), पुत्र अभिषेक गुप्ता उर्फ रवि गुप्ता (24), नाती गोलू गुप्ता (12) तथा दामाद राधेश्याम गुप्ता (35) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर किया गया है। घटना की सूचना जैसे ही परिजनों और क्षेत्रवासियों को मिली, पूरे इलाके में मातम छा गया। बड़ी संख्या में लोग पीड़ित परिवार के घर पहुंचने लगे। शोक व्यक्त करते हुए स्थानीय व्यापारियों ने अपनी-अपनी दुकानें बंद रखीं।

कौशल विकास मिशन के प्रशिक्षक की गोली लगने से संदिग्ध मौत

क्षेत्राधिकारी सदर अंकुर गौतम ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस किसी भी संभावना से इनकार नहीं कर रही है।

गोरखपुर, संवाददाता। महाराजगंज के श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के रुद्रपुर भलुही स्थित विश्व शांति निकेतन महाविद्यालय में कौशल विकास मिशन के प्रशिक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक का शव महाविद्यालय की सबसे ऊपरी छत पर मिला। वहीं, घटनास्थल से करीब 30 मीटर की दूरी पर छात्राएं और एक दाई रात में सो रही थीं। परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। मृतक की पहचान कुशीनगर जिले के रामकोला थाना क्षेत्र के ग्राम कुस्महा टोला बिरोली निवासी 25 वर्षीय अजय यादव पुत्र केशव यादव के रूप में हुई है। वह विश्व शांति निकेतन महाविद्यालय में कौशल विकास मिशन योजना के तहत प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत थे। शुक्रवार सुबह घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की।

जानकारी के अनुसार, महाविद्यालय परिसर में छात्राओं का हॉस्टल भी संचालित है, जहां 7-8 छात्राएं रह रही थीं। गर्मी के कारण छात्राएं और हॉस्टल की दाई रात में छत पर सो रही थीं। अजय यादव भी उसी छत पर कुछ दूरी पर मौजूद थे। छात्राओं ने पुलिस को बताया कि भोर में लगभग तीन बजे उन्हें तेज आवाज सुनाई दी। आवाज से घबराकर सभी छात्राएं नीचे अपने कमरों में चली गईं। सुबह जब दाई छत पर पड़े कपड़े उतारने पहुंची तो उसने अजय यादव का शव देखा। इसके बाद विद्यालय प्रबंधन को सूचना दी गई, जिसने तत्काल श्यामदेउरवां पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने महाविद्यालय परिसर को जांच के दायरे में लेते हुए छात्राओं, विद्यालय प्रबंधन और अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है।

देवरिया में दो पक्षों में विवाद, चाकू मारकर युवक का कत्ल

शाम में हुई हाथापाई, सुबह खूनी संघर्ष में बदली

हत्या, मारपीट और चीख-पुकार, गांव में पुलिस तैनात



गोरखपुर, संवाददाता। नौतन हथियागढ़ गांव में शुक्रवार को दो पक्षों के विवाद में राजू शर्मा की चाकू मारकर हत्या। अनुज आरोपी, पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। एक घायल भी है। यूपी के देवरिया जिले के रामपुर कारखाना थानाक्षेत्र के नौतन हथियागढ़ गांव में शुक्रवार की सुबह दो पक्षों के बीच हुए विवाद में राजू शर्मा (28) की चाकू मार कर हत्या कर दी गई। बचाव में आए युवक को भी चाकू लगा। वह गंभीर रूप से जख्मी है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी सहित कई लोगों को हिरासत में ले लिया। गांव में पुलिस तैनात है। जानकारी के अनुसार, रामपुर कारखाना थानाक्षेत्र के नौतन हथियागढ़ चौराहा पर बृहस्पतिवार की देर शाम को हरेराम शर्मा और प्रदीप सिंह साथ ही बैठे थे। किसी बात को लेकर आपस में बात बिगड़ गई। इसके बाद दोनों में हाथापाई हो गई। इस बात की जानकारी होते ही दोनों तरफ से लोग जुट गए। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव

कर मामला शांत करा दिया। देर रात को घर आने के बाद भी दोनों पक्षों में गाली-गलौज हुई। प्रदीप सिंह का भतीजा अनुज स्कूली बस लेकर बच्चों को लेने निकला। अनुज बस चालक है। इसी बीच दूसरे पक्ष से किसी ने बस रोक ली। इसके बाद दोनों तरफ से विवाद बढ़ गया। जमकर मारपीट शुरू हो गई। इसी बीच अनुज ने राजू शर्मा पर चाकू से वार कर दिया। गर्दन पर चाकू लगने से राजू गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

नौकरी गई, मासूम की जान ली

छह वर्षीय किशोर की हत्या, किराएदार ने फिरौती के लिए रची थी साजिश- खंडहर में मिला शव



गोरखपुर, संवाददाता। आरोपी ने पुलिस को बताया कि साजिश के तहत वह बच्चे को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और वार्ड-10 स्थित लुचुई रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक बंद मकान के पीछे बने खंडहरनुमा कमरे में पहुंचा। वहां वह बच्चे के हाथ-पैर बांधने लगा। इसी दौरान बच्चे का सिर दीवार से टकरा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद वह घबरा गया और शव को वहीं छोड़कर भाग निकला। सहजनवा कस्बे के वार्ड-9 पिपरा नई कॉलोनी से लापता छह वर्षीय मासूम अंशुमान सिंह की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में आरोपी किराएदार कल्पेश को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब एक माह पहले उसकी नौकरी छूट गई थी। आर्थिक तंगी की वजह से उसने मासूम का अपहरण कर उसके पिता से फिरौती मांगने की साजिश रची थी। आरोपी ने पुलिस को बताया कि साजिश के तहत वह बच्चे को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और वार्ड-10 स्थित लुचुई रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक बंद मकान के पीछे बने खंडहरनुमा कमरे में पहुंचा। वहां वह बच्चे के हाथ-पैर बांधने लगा। इसी दौरान बच्चे का सिर दीवार से टकरा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद वह घबरा गया और शव को वहीं छोड़कर भाग निकला। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में यह भी बताया कि पूरी साजिश उसने अकेले रची थी और उसकी पत्नी की इसमें कोई

भूमिका नहीं है। पिपरा नई कॉलोनी निवासी विनय सिंह उर्फ कन्हैया का छह वर्षीय पुत्र अंशुमान यूकेजी का छात्र था। बृहस्पतिवार शाम करीब पांच बजे वह घर के बाहर फुल्की खाने के लिए निकला था। कुछ देर बाद वह लौटा और फिर बाहर चला गया। देर शाम तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और अपहरण की धारा में प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने रातभर सीसीटीवी फुटेज खंगाले और खोजी कुत्तों की मदद से तलाश की। जांच में एक मैरिज हॉल के पास लगे कैमरे में बच्चा किराए पर रहने वाले कल्पेश के साथ जाता हुआ दिखाई दिया। इसी आधार पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआत में उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की लेकिन सख्ती से पूछताछ में टूट गया और उसकी निशानदेही पर शुक्रवार को शव बरामद कर लिया गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगी। घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी डॉ. कौस्तुभ मौके पर पहुंचे और परिजन से मुलाकात की। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्कॉयड ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। मासूम की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया, जबकि क्षेत्र में आक्रोश

फैल गया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जूट मिल में हुई थी किराएदार से पहचान पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी कल्पेश मूल रूप से संतकबीरनगर जिले के धर्मसिंहवा क्षेत्र का रहने वाला है। वह पहले गीड़ा की एक फैक्टरी में काम करता था लेकिन करीब एक माह पहले उसकी नौकरी छूट गई थी। प्रेम विवाह के बाद वह सहजनवा में रह रहा था। बीते 26 मई से वह विनय सिंह के मकान में किराएदार के रूप में रह रहा था।

भीड़ को एकत्रित होता देख ऑटो से भेजा गया मासूम का शव

घटनास्थल पर लोगों की बढ़ती भीड़ और तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए प्रशासन ने एंबुलेंस के बजाय ऑटो से मासूम का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना के बाद पूरे इलाके में पुलिस बल तैनात कर निगरानी बढ़ा दी गई है। बच्चा बृहस्पतिवार शाम से लापता था। मामले में घर में रहने वाले किराएदार को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उसने फिरौती के लिए अपहरण की साजिश रचने की बात स्वीकार की है। उसने बताया कि हाथ-पैर बांधने के दौरान बच्चे का सिर दीवार से टकराने से उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. कौस्तुभ, एसएसपी

लापता छात्र अजमेर में मिला- घर से नाराज होकर निकला

गोरखपुर, संवाददाता। गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक कॉलोनी निवासी छात्र तीन सितंबर 2024 की सुबह स्कूल के लिए निकला था। इसके बाद घर नहीं लौटा। परिजन ने काफी तलाश के बाद उसी दिन थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी और अपहरण की आशंका जताई थी। करीब 22 माह बाद 10 दिन पहले परिजन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में छात्र की तस्वीर देखी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जांच में लोकेशन राजस्थान के अजमेर में मिली। गुलरिहा थाना क्षेत्र से करीब दो साल पहले लापता 15 वर्षीय छात्र राजस्थान के अजमेर में मिला। पूछताछ में सामने आया कि वह घर से नाराज होकर यूट्यूबर 'इंडियन हैकर' से मिलने के लिए अजमेर पहुंचा था। उससे न मिल पाने पर उसने वहीं एक होटल में काम करना शुरू कर दिया। पुलिस ने फेसबुक फोटो के जरिये उसकी लोकेशन ट्रेस कर उसे सकुशल खोज लिया। गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक कॉलोनी निवासी छात्र तीन सितंबर 2024 की सुबह स्कूल के लिए निकला था। इसके बाद घर नहीं लौटा। परिजन ने काफी तलाश के बाद उसी दिन थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी और अपहरण की आशंका जताई थी। परिजन के अनुसार, घटना से एक दिन पहले पिता ने पढ़ाई को लेकर उसे डांटा था, जिससे वह नाराज था।

उस रात वह चुपचाप सो गया और अगली सुबह स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकल गया। जब वह स्कूल से देर शाम तक वापस नहीं आया तो परिवार घबरा गया। स्कूल और रिश्तेदारों में तलाश के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला। करीब 22 माह बाद 10 दिन पहले परिजन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में छात्र की तस्वीर देखी, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जांच में लोकेशन राजस्थान के अजमेर में मिली। पुलिस टीम मंगलवार को अजमेर रवाना हुई, जहां स्थानीय पुलिस की मदद से तलाश शुरू की गई। फोटो के आधार पर खोजबीन के दौरान एक होटल में काम करता हुआ छात्र मिल गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह यूट्यूबर 'इंडियन हैकर' से मिलने के लिए घर से नाराज होकर निकला था। अजमेर पहुंचने के बाद जब उससे मुलाकात नहीं हो सकी तो उसने वहीं होटल में काम शुरू कर दिया। पुलिस ने स्थानीय टीम की मदद से उसे खोजकर परिजन से फोन पर बातचीत कराई, जिसमें सभी भावुक हो गए। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे पुलिस टीम उसे गोरखपुर लेकर पहुंची और परिजन को सौंप दिया। सीओ गोरखनाथ रवि सिंह के अनुसार, छात्र मिल गया है। आगे की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

बृजभूषण राजपूत की बची जान

एस्कॉर्ट वाहन को ट्रक ने रौंदा, गनर समेत 3 घायल, पिता बोले- हत्या की साजिश

महोबा में बड़ा हादसा

► विधायक की कार बची, एस्कॉर्ट के उड़े परखच्चे

► बाल-बाल बचे बृजभूषण राजपूत

► उठे 'साजिश' के गंभीर सवाल



महोबा,संवाददाता । महोबा में विधायक बृजभूषण राजपूत की गाड़ी को अनियंत्रित ट्रक से टक्कर लगते-लगते बची। हालांकि, ट्रक ने उनके एस्कॉर्ट वाहन को रौंद दिया। हादसे में विधायक सुरक्षित हैं, लेकिन

तीन सुरक्षाकर्मी और ड्राइवर घायल हुए हैं। महोबा जिले में चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत एक सड़क हादसे में बाल-बाल बच गए। महोबा के संकट मोचन मंदिर खरेला के पास बुधवार की रात तेज रफ्तार ट्रक ने

उनके एस्कॉर्ट वाहन को टक्कर मार दी। इससे विधायक के सरकारी गनर, प्राइवेट गार्ड और ड्राइवर घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में पहुंचाया गया। विधायक के पिता व पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत ने हत्या

की साजिश बताया। बताया जा रहा है कि भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत एक कार्यक्रम से लौट रहे थे। उनकी कार आगे चल रही थी।

विधायक की गाड़ी सुरक्षित बच गई

उनके पीछे सरकारी गनर और प्राइवेट गाड्स का स्कॉर्पियो एस्कॉर्ट वाहन था। संकट मोचन मंदिर के केला लदे ट्रक को अपनी ओर आता देख विधायक की कार के ड्राइवर रविकांत मिश्रा ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत कार को सड़क से नीचे उतार दिया। इससे विधायक की गाड़ी सुरक्षित बच गई। स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई

हालांकि, अनियंत्रित ट्रक ने विधायक की कार के पीछे आ रही स्कॉर्पियो एस्कॉर्ट गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना में सरकारी गनर श्याम सिंह, प्राइवेट गार्ड किशनपाल और ड्राइवर जितेंद्र चोटिल हुए हैं। उन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

यूपी बोर्ड के टॉपर्स को 2 साल तक दी जाएगी स्कालरशिप

लखनऊ,संवाददाता । उत्तर प्रदेश बोर्ड के राज्य स्तरीय टॉपर्स को दो वर्षों तक मासिक छात्रवृत्ति दी जाएगी। हाईस्कूल और इंटर के मेधावी विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग राशि तय की गई है। इसके अलावा एक ही परिवार के दूसरे बच्चे और एकल मां के बच्चों को शिक्षण शुल्क में विशेष छूट देकर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए काम करने वाली संस्था इंडिया लिटरेसी बोर्ड यूपी बोर्ड के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को दो साल तक छात्रवृत्ति देगी। यह निर्णय संस्था की कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिया गया है। बोर्ड की निदेशक संध्या तिवारी ने बताया कि छात्रवृत्ति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पात्र छात्रों को 17 सितंबर को डॉ. वेल्दी फिशर जयंती समारोह में सम्मानित किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत हाईस्कूल के राज्य टॉपर को तीन हजार हर महीने और इंटर के राज्य टॉपर को पांच हजार रुपये हर महीने की छात्रवृत्ति दो वर्ष तक मिलेगी। वर्ष 2026 की हाईस्कूल परीक्षा में कशिश वर्मा और अंशिका वर्मा ने 97.83 प्रतिशत अंक के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया, जबकि इंटर में शिखा वर्मा ने 97.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान पाया। इंडिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा संचालित वेल्दी फिशर चिल्ड्रेंस अकादमी के विद्यालय स्तर के टॉपर्स को भी इसी योजना का लाभ मिलेगा।

पहले पानी बेचता था अविनाश फिर राम मंदिर में मिली नौकरी

अयोध्या,संवाददाता । राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी के अयोध्या स्थित ठिकाने से जुड़े लोगों ने कई दावे किए हैं। बताया गया कि मंदिर में नौकरी से पहले वह पानी बेचता था और बाद में गणना कार्य से जुड़ा।

पुलिस बरामदगी, आर्थिक गतिविधियों और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है, जबकि दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में आरोपी अविनाश शुक्ला से जुड़े अयोध्या स्थित ठिकाने की जांच के दौरान कई अहम जानकारीयां सामने आई हैं।

कौशलपुरी स्थित श्याम साधनालय योग केंद्र में पुलिस कार्रवाई के बाद हमारी टीम ने योग केंद्र पहुंचकर योगाचार्य सीमा तिवारी और प्रत्यक्षदर्शी सेवादार सुंदरलाल से बातचीत की। दोनों ने अपने-अपने स्तर पर कई दावे किए।

योगाचार्य सीमा तिवारी ने बताया कि अविनाश का भाई अभिषेक पिछले लगभग दस वर्षों से योग केंद्र से जुड़ा हुआ है। करीब डेढ़ वर्ष पहले वह अविनाश को भी यहां लेकर आया था। उनके अनुसार, अभिषेक एक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक है और राम मंदिर से जुड़े लोगों के संपर्क में भी रहा है।

अविनाश को हुए कई बड़े दावे

उन्होंने कहा कि योग केंद्र के लोग पहले से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र

पानी बेचने से लेकर चंदा चोरी तक की कहानी



ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से जुड़े रहे हैं। अभिषेक का वहां आना-जाना भी था। उनका यह भी कहना था कि संभव है कि उसी के संपर्क के आधार पर अविनाश को राम मंदिर में गणना कार्य की नौकरी मिली हो। उन्होंने बताया कि 5 जून को पुलिस कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद केंद्र की छवि खराब होने की आशंका के चलते अभिषेक को कमरे से हटा दिया गया। उन्होंने कहा कि यदि अविनाश दोषी है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

वहीं प्रत्यक्षदर्शी सेवादार सुंदरलाल ने बताया कि अभिषेक अमरगंज, मिलकीपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक है और करीब डेढ़ वर्ष पहले वह अपने भाई अविनाश को योग केंद्र लेकर आया था। उनके अनुसार, राम मंदिर में नौकरी से पहले अविनाश हनुमान गुफा के पास पानी बेचने का काम करता था। मार्च 2025 से वह राम

मंदिर में गणना कार्य से जुड़ा था।

पुलिस कर्मी आरोपी लेकर कमरे में पहुंचे

सुंदरलाल ने दावा किया कि 5 जून को चार पुलिसकर्मी और ट्रस्ट से जुड़े कुछ अन्य लोग अविनाश को कमरे में लेकर पहुंचे, चाबी से बक्सा खुलवाकर उसमें से दो बैग निकाले और बाद में उन्हें बाहर कर दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि बाद में उन्हें जानकारी मिली कि अविनाश के पास से लगभग 20 लाख रुपये बरामद हुए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि 14 दू15 हजार रुपये मासिक वेतन पाने वाले व्यक्ति के पास इतनी बड़ी राशि कैसे मिली। उन्होंने यह भी बताया कि अविनाश ने हाल ही में मोबाइल खरीदा था और ट्रैक्टर लेने की इच्छा जता रहा था, जबकि उसका भाई अभिषेक जमीन खरीदने की बात करता था। हालांकि, इन सभी दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हाउस कीपिंग के लिए स्टेट बैंक ने सैनिक सिक्योरिटी फर्म की ली थीं सेवाएं

वाराणसी,संवाददाता । राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी की जांच वाराणसी पहुंच गई है। जांच में सामने आया कि स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक ने सैनिक सिक्योरिटी फर्म के कर्मचारियों को हाउस कीपिंग के काम के लिए लिया था। मामले में पूछताछ की जा रही है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सैनिक सिक्योरिटी फर्म का नाम सामने आने के बाद एसआईटी की जांच वाराणसी पहुंच गई है। सैनिक सिक्योरिटी फर्म के मालिक गौरव सिंह और सुपरवाइजर से एसआईटी ने पूछताछ की है। सारनाथ स्थित फर्म के मालिक गौरव सिंह ने बुधवार को मीडिया से कहा कि अयोध्या राममंदिर में उन्होंने

कभी कोई कर्मचारी नहीं भेजा है। स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक ने कर्मचारियों को हाउस कीपिंग के काम के लिए लिया था। राममंदिर में कर्मचारी कैसे पहुंचे, यह स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक ही बता सकते हैं। फिलहाल इस पूरे प्रकरण की जांच एसआईटी कर रही है। मेरी कंपनी 26 साल पुरानी है। उधर, एसआईटी की छानबीन में सामने आया कि कर्मचारियों को बिना सत्यापन किए ही अयोध्या राम मंदिर के कोष सुरक्षा में तैनात किया



गया था। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की अयोध्या शाखा ने सैनिक सिक्योरिटी एजेंसी को राम मंदिर में दान की गिनती के लिए कर्मचारी उपलब्ध कराने का ठेका दिया था। सैनिक एजेंसी ने हाउसकीपिंग के लिए मंदिर ट्रस्ट को 22 कर्मचारी दिए थे। इनमें से छह कर्मचारियों को एसआईटी ने रडार पर

राजधानी में मानसून की एंटी

सुबह से रिमझिम बरसात, बहराइच बिजनौर में 100 मिमी बारिश



लखनऊ,संवाददाता । प्रदेश में मानसून सक्रिय होने से कई जिलों में तेज बारिश हुई और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने 24 जिलों में भारी वर्षा तथा 28 जिलों में गरज-चमक और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। अगले दो से तीन दिनों में पूरे प्रदेश में मानसून के सक्रिय होने की संभावना है। मानसून आज गुरुवार सुबह लखनऊ पहुंच आया। तड़के से रिमझिम बरसात हो रही है। इससे मौसम ठंडा हो गया है। इसी के साथ उमस और तपन से राहत मिल गई है। इस बीच मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री के आसपास रहेगा। विभाग की तरफ से बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। दिन में कई बार बारिश की संभावना भी जताई गई है।

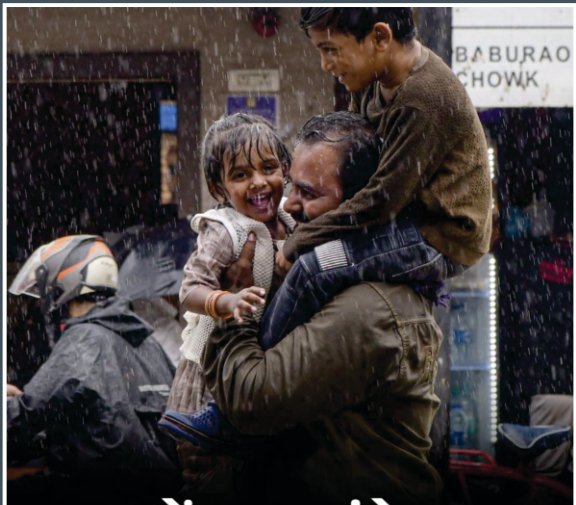
वहीं, बुधवार को तराई समेत कई हिस्सों में अच्छी बारिश हुई। बारिश से कई जिलों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने अगले दो-तीन दिनों में पूरे प्रदेश में मानसून के छा जाने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को बहराइच में सर्वाधिक 113 मिमी और बिजनौर में 95 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा ललितपुर में 93 मिमी, बुलंदशहर में 72 मिमी तथा संभल और हमीरपुर में 65-65 मिमी बारिश हुई। वाराणसी, हरदोई, मुरादाबाद समेत कई अन्य जिलों में भी अच्छी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए बांदा, प्रयागराज, सोनभद्र, मेरठ, रामपुर, बरेली समेत 24 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं बांदा, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली और वाराणसी सहित 28 जिलों में

गरज-चमक और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र,

लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों में मानसून पूरे प्रदेश को कवर कर

लेगा।



22 राज्यों तक पहुंचे मानसून की रफ्तार धीमी पड़ी



लखनऊ आम महोत्सव का शुभारंभ

आधा किलो का आम देख मुस्कुराए सीएम योगी, किसानों को किया सम्मानित

लखनऊ, संवाददाता। आयोजित आम महोत्सव का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट आम उत्पादकों को सम्मानित किया और विभिन्न किस्मों का अवलोकन किया। महोत्सव में सैकड़ों प्रजातियों के आम तथा उनसे बने उत्पाद प्रदर्शित किए गए। सरकार ने किसानों को आधुनिक खेती, निर्यात, गुणवत्ता और रसायन-मुक्त उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित आम महोत्सव का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने आम उत्पादकों से विभिन्न किस्मों की विशेषताओं की जानकारी ली। प्रदर्शनी में रखे करीब आधा किलो वजन की आम को देखकर मुख्यमंत्री मुस्कुरा पड़े और दोनों हाथों में आम लेकर तस्वीर भी खिंचवाई।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दो पेटी आम खरीदे। मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट आम उत्पादकों को सम्मानित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का आम ब्रिटेन, यूएई, मलेशिया और कुवैत समेत कई देशों में निर्यात किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि एक विशेष आम को फ्फाकोरी ब्रांड का नाम दिया गया है, जो देशभक्ति और समर्पण का प्रतीक है।

800 से अधिक किस्मों के आम प्रदर्शित



किए गए

तीन दिवसीय आम महोत्सव में 800 से अधिक किस्मों के आम प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें दशहरी, लंगड़ा, चौसा, आम्रपाली, रटौल, लखनऊ सफेदा, अल्फांसो, याकूती, बनाना मैंगो, नूरजहां, लालिमा और टॉमी एटकिंस जैसी प्रसिद्ध किस्में शामिल हैं। वहीं मोदी मैंगो और योगीराज आम भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। महोत्सव में आम से बने अचार, जूस, पल्प और अन्य उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में एआई आधारित खेती, ई-कॉमर्स और वैश्विक निर्यात को बढ़ावा देने पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने रसायन-मुक्त उत्पादन, गुणवत्ता और वैश्विक मानकों के अनुरूप आम तैयार करने पर जोर देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की असली ताकत उसके किसान हैं और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए सरकार लगातार

प्रयास कर रही है। योगी ने कहा, आम को संरक्षित करने के लिए किसानों को बैग उपलब्ध कराए जा रहे हैं। हमें यूपी में 17 बेस्ड फार्मिंग को आगे बढ़ाना है। ई-कॉमर्स और ग्लोबल एक्सपोर्ट को बढ़ाने के लिए हम काम कर रहे हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि यूपी का प्रोडक्ट केमिकल-मुक्त हो। आम गुणवत्ता, सुरक्षा और वैश्विक मानकों पर खरा उतर सके, इस पर हमारा ध्यान होना चाहिए।

योगी बोले— हमारी असली ताकत किसान हैं

सीएम योगी ने कहा, आम महोत्सव यूपी ही नहीं, बल्कि देश के अन्नदाता किसानों के लिए एक शो-केसिंग का आधार भी है। वे अपने प्रोडक्ट को बायर्स-सेलर्स मीट के माध्यम से वैश्विक पहचान दिलाने का काम कर सकते हैं। जैसे मलिहाबाद का दशहरी आम, जिसे अब जीआई टैग भी मिल चुका है। जीआई टैग का मतलब है कि दशहरी आम वैश्विक ब्रांड बन चुका है। दुनिया में जहां कहीं भी जाएगा, उसकी पहचान बनी रहेगी। ये जितने भी आम हैं, वे यूपी की ताकत को बढ़ाते हैं। यूपी की असली ताकत किसान हैं, जिनकी वजह से यह महोत्सव संभव हुआ है। प्रदेश में आम के किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए चार पैक हाउस बनाए गए हैं।

यूपी के दिव्यांग संवासियों को योगी सरकार का बड़ा तोहफा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मानसिक मंदित व निराश्रित दिव्यांगजन के लिए बड़ी राहत देते हुए आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केंद्रों और हाफ वे होम में रहने वाले संवासियों की भरण-पोषण अनुदान राशि दो हजार रुपये से बढ़ाकर तीन हजार रुपये प्रतिमाह कर दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे दिव्यांग पूरी तरह संस्थागत देखभाल पर निर्भर होते हैं, इसलिए उन्हें पौष्टिक भोजन और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में नियमित रूप से दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद

दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग और अन्य सहायक उपकरण समय पर उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही श्रवण बाधित बच्चों का समय पर चिह्नकन कर काविलियर इंफ्लॉट के बाद उनके पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने विशेष विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों की समयबद्ध तैनाती पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभाग की सभी योजनाओं का उद्देश्य दिव्यांगजनों को सम्मानजनक, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन उपलब्ध कराना है। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 12.23 लाख से अधिक दिव्यांगजन पेंशन योजना से लाभान्वित हुए। इसी अवधि में 34,420 पात्र लाभार्थियों को 43,689 सहायक उपकरण वितरित किए गए।

यूपी में विद्युत नियामक आयोग ने उपभोक्ताओं से जुड़े मामलों में पावर कारपोरेशन से तलब की रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। मौजूदा बिजली दरों को यथावत रखते हुए विद्युत नियामक आयोग ने उपभोक्ताओं से जुड़े कई मुद्दों पर पावर कारपोरेशन प्रबंधन से जवाब-तलब भी किया है। आयोग ने प्रबंधन को राजधानी लखनऊ सहित कई शहरों में लागू विद्युत वितरण की वर्टिकल व्यवस्था का किसी स्वतंत्र एजेंसी से आकलन कराने का आदेश दिया है। कहा है कि विद्युत उपकेंद्रों व फीडर स्तर तक रखरखाव के लिए पर्याप्त नियमित और संविदा कर्मिकों की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए।

इसके साथ ही स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर आ रही शिकायतों, टोल फ्री नंबर 1912 की शिकायत निवारण प्रणाली और ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा घर के बिजली कनेक्शन से ही दुकान में बिजली के इस्तेमाल के मामले में राहत देने के संबंध में ब्योरा मांगा है।

उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद, उपभोक्ताओं से जुड़े इन मुद्दों पर समय-समय पर आयोग में प्रस्ताव दाखिल करने के साथ ही टैरिफ प्रस्ताव पर सुनवाई के दौरान उठाता रहा है। आयोग ने टैरिफ ऑर्डर में स्मार्ट प्रीपेड मीटरों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कारपोरेशन को आदेश दिया है कि अब तक लगाए गए 90 लाख स्मार्ट मीटर में से पांच प्रतिशत चेक मीटरों की जांच और गुणवत्ता परीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। स्मार्ट मीटरों की सटीकता की जांच के संबंध में प्रत्येक जिले की अलग-अलग गुणवत्ता तथा परीक्षण रिपोर्ट तलब की गई है। कस्टमर केयर नंबर 1912 से संबंधित उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली पर आयोग ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों की पारदर्शी व प्रभावी निस्तारण की व्यवस्था पर तीन माह में रिपोर्ट मांगी गई थी,

लेकिन आज तक उसे प्रस्तुत नहीं किया गया है। तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश देते हुए चेतावनी दी है कि आदेश का पालन न होने पर विद्युत अधिनियम-2003 की धारा 142 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 40 लाख ऐसा घरेलू उपभोक्ता जो अपने मकान में आजीविका के लिए छोटी दुकान भी संचालित करते हैं, उन्हें राहत दिए जाने की मांग भी की थी। आयोग ने इस मामले में फिर से पावर कारपोरेशन से तीन माह में विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

बड़ी संख्या में संविदा कर्मियों को हटाए जाने का विद्युत कर्मचारी, अभियंता व उपभोक्ता संगठनों के विरोध को देखते हुए आयोग ने आर्डर में स्पष्ट किया कि वर्ष 2019 में तय मानव संसाधन मानकों का पूरा पालन किया जाए। बिजली व्यवस्था को अधिक विश्वसनीय, जवाबदेह और उपभोक्ता हितैषी बनाया जाए।

कुशल प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन से नहीं बढ़ी बिजली की दरें ऊर्जा मंत्री

पावर कारपोरेशन प्रबंधन पर आए दिन तमाम सवाल उठाने वाले ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने लगातार सातवें वर्ष बिजली की दरें यथावत रहने का बड़ा कारण ऊर्जा क्षेत्र में दक्ष प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन को माना है। बेहतर वित्तीय प्रबंधन के कारण ही उपभोक्ताओं पर महंगी बिजली का अतिरिक्त बोझ डालने की आवश्यकता नहीं पड़ी। शर्मा का कहना है कि आज प्रदेश, देश के अग्रणी ऊर्जा राज्यों में शामिल है और बिजली उत्पादन, आपूर्ति, वितरण सुधार तथा उपभोक्ता सेवाओं के क्षेत्र में लगातार कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

ब्यूटीशियन-इन्फ्लुएंसर थी निशा

मीडिया इन्फ्लुएंसर निशा चौहान की पति ने प्लाट के विवाद में चाकू से हत्या कर दी

अस्पताल में जिंदगी-मौत से जूझ रहा कातिल पति



मेरठ, संवाददाता। मेरठ के हर्षा कस्बे में ब्यूटीशियन और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निशा चौहान की पति ने प्लॉट के विवाद में चाकू से हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ने खुद पर भी हमला किया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मेरठ के सरूरपुर थाना क्षेत्र के हर्षा कस्बे में शुक्रवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया। यहां ब्यूटीशियन और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निशा चौहान की उनके पति ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, प्लॉट के बैनामे को लेकर चल रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जिसके बाद हत्या की गई। वारदात के बाद आरोपी पति ने खुद पर भी चाकू से हमला कर आत्महत्या का प्रयास किया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। करीब 24 हजार फॉलोअर्स वाली निशा चौहान सोशल मीडिया पर सक्रिय थीं। उनकी लोकप्रिय रील श्मिस्ट्री मान जाओ के बाद उन्हें पहचान मिली थी। अब निशा की हत्या के बाद तीन बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया।

प्लॉट के बैनामे को लेकर बढ़ा विवाद, चाकू से किया हमला

पुलिस के अनुसार, प्रदीप चौहान और उनकी पत्नी निशा चौहान ने गांव में कोठी के पास एक प्लॉट खरीदा था। आरोप है कि प्लॉट का बैनामा किसके नाम होगा, इसे लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। निशा प्लॉट अपने नाम कराना चाहती थीं, जबकि प्रदीप अपने नाम पर बैनामा कराने

की बात पर अड़ा था। शुक्रवार सुबह करीब छह बजे इसी मुद्दे पर दोनों के बीच कहासुनी हुई।

आरोप है कि विवाद बढ़ने पर प्रदीप ने चाकू से निशा पर कई वार कर दिए। गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

वारदात के बाद आरोपी ने खुद पर भी किया हमला

पत्नी पर हमला करने के बाद आरोपी प्रदीप ने भी खुद पर चाकू से वार कर आत्महत्या का प्रयास किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास लगे चित्रांकन उपकरणों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जा रही है। परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा रही है।

तीन बच्चों पर टूटा दुखों का पहाड़, मायके पक्ष ने किया हंगामा

निशा चौहान अपने पीछे तीन बच्चों को छोड़ गई हैं। परिवार का सबसे बड़ा बेटा 16 वर्ष का है। घटना की जानकारी मिलने पर मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे और आक्रोश जताया। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी ने जापानी समकक्ष ताकाइची से की मुलाकात

दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने जापानी समकक्ष ताकाइची से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन में जापानी प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया गया। सैनिकों की टुकड़ी ने जापानी प्रधानमंत्री के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर भी पेश किया। औपचारिक स्वागत के दौरान सैनिकों के दल ने संगीत की प्रस्तुति भी दी। भारत में पीएम ताकाइची के कार्यक्रम पर विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि दोनों शीर्ष नेताओं के बीच आज अहम द्विपक्षीय बैठक होगी। इस बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से संवाद होगा। बातचीत का मुख्य फोकस आर्थिक सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा रहेगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को देखते हुए दोनों देश अपने रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करना चाहते हैं। साथ ही, जापान और भारत के बीच श्विषेश रणनीतिक वैश्विक साझेदारी

जापान की
प्रधानमंत्री
का भारत दौरा

लाइव
अपडेट्स



प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची और पीएम मोदी

को और आगे बढ़ाने तथा आपसी सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा होगी।
भारत क्यों जापान के लिए जरूरी?
इससे पहले खुद पीएम ताकाइची ने कहा था कि भारत, जापान की तरह एशिया का एक प्रमुख लोकतांत्रिक देश

है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ श्रुी एंड ओपन इंडो-पैसिफिक (एफओआईपी) की दिशा में प्रयासों पर भी चर्चा होगी। इस दौरान जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के ढांचे से जुड़े सहयोग पर

भी विचार-विमर्श किया जाएगा। तीन दिवसीय भारत दौरे पर आई जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची का आज राष्ट्रपति भवन में भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी ने जापान की प्रधानमंत्री का खुद स्वागत किया। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में ताकाइची को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। प्रधानमंत्री ने ताकाइची को भारतीय प्रतिनिधिमंडल से भी मिलवाया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी पीएम ताकाइची के साथ आए शिष्टमंडल से मुलाकात की। गौरतलब है कि भारत पहुंचने से पहले पीएम ताकाइची ने इस दौरे को अहम बताया था। उन्होंने कहा था कि बढ़ती अंतरराष्ट्रीय अनिश्चितताओं के बीच भारत के साथ सहयोग का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि भारत और जापान के साझा मूल्यों तथा रणनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए दोनों देशों के बीच सहयोग को नई दिशा देने का यह महत्वपूर्ण अवसर है।



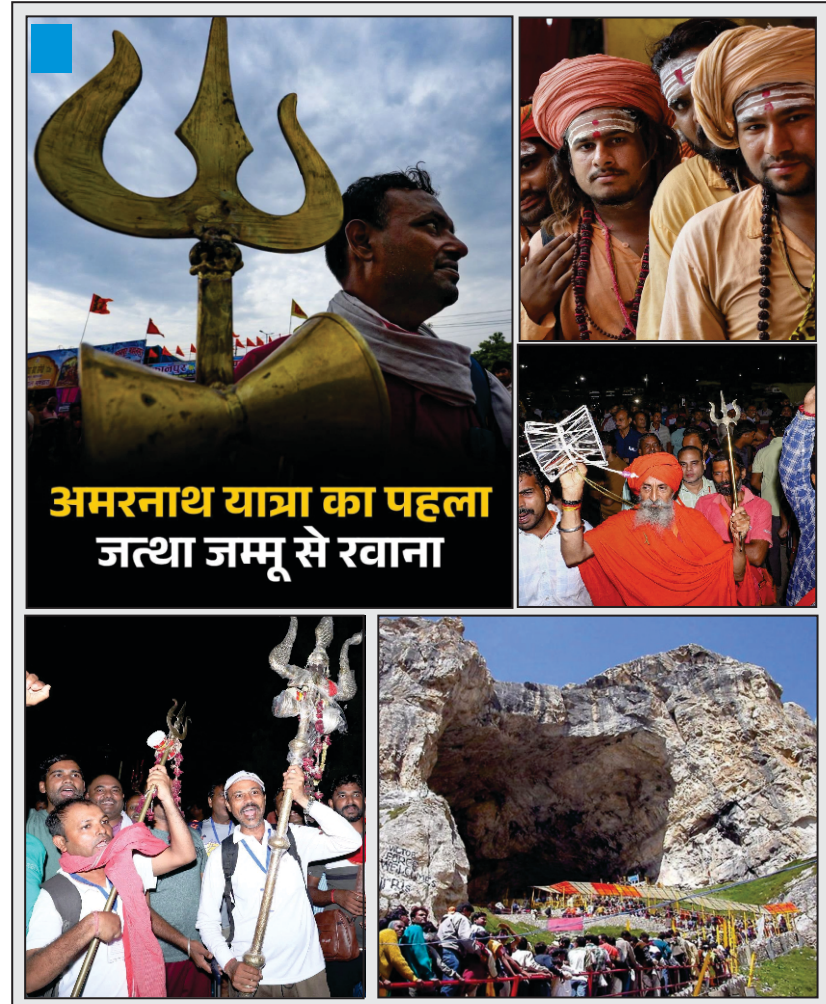
टिन्नू यादव के इशारे पर काम करते थे गणनाकर्मी, वो ही...



लखनऊ, संवाददाता। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में एसआईटी अब ट्रस्ट के पांच साल के ऑडिट का ऑडिट करेगी। शुरुआती जांच में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियों की आशंका को देखते हुए हर वित्तीय लेनदेन की बारीकी से तपतीश की जाएगी। एसआईटी को कुछ अहम साक्ष्य भी मिले हैं। जांच की जद में ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारी आ सकते हैं। राम मंदिर में हुए चढ़ावा चोरी के मामले में प्रतिदिन नए खुलासे हो रहे हैं।

विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंदिर ट्रस्ट द्वारा पिछले पांच साल में कराए गए ऑडिट की जांच का निर्णय लिया है। एसआईटी इस जांच में ऑडिट में मौजूद खामियों का पता लगाएगी। सूत्रों के अनुसार, इसमें बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों की आशंका जताई जा रही है। अब तक की जांच में एसआईटी को ऐसे कई सुबूत मिले हैं, जो गड़बड़ियों की ओर इशारा करते हैं। माना जा रहा है कि इन सुबूतों से अनिल मिश्रा, गोपाल

राव और चंपत राय की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एसआईटी के तीन वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक रेंज लखनऊ किशन एस और विशेष वित्त सचिव नील रतन शामिल हैं, बृहस्पतिवार को एक बैठक कर सकते हैं। इस बैठक के बाद वे अयोध्या के लिए रवाना होंगे। सूत्रों के मुताबिक, अनिल मिश्रा ने पूछताछ के दौरान पूरा ठीकरा गणनाकर्मी टिन्नू यादव पर फोड़ा है। उन्होंने दावा किया कि सभी गणनाकर्मी टिन्नू के इशारे पर ही काम करते थे। अनिल मिश्रा ने अपनी भूमिका को पूरी तरह से नकार दिया है। आपको बता दें कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में एसआईटी अब ट्रस्ट के पांच साल के ऑडिट का ऑडिट करेगी। शुरुआती जांच में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियों की आशंका को देखते हुए हर वित्तीय लेनदेन की बारीकी से तपतीश की जाएगी। एसआईटी को कुछ अहम साक्ष्य भी मिले हैं। जांच की जद में ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारी आ सकते हैं।





अक्षय खन्ना की अपकमिंग फिल्में

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड एक्टर अक्षय खन्ना ने साल 2025 में रिलीज हुई फिल्म धुरंधर में धमाल मचा दिया था। फिल्म में रहमान डकैत के किरदार में उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। वहीं अब अक्षय खन्ना एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने आ रहे हैं। उनके पास कई फिल्में लाइनअप हैं। अक्षय खन्ना की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में इक्का शामिल है। ये एक कोर्टरूम थ्रिलर है। फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और ये उनकी पहली डायरेक्ट-टू-ओटीटी रिलीज होगी। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में लीगल ड्रामा और सस्पेंस का जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा। वहीं, अक्षय खन्ना फिल्म में एक अहम और दमदार निगेटिव किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म में दीया मिर्जा, तिलोत्तमा शोम और संजीदा शेख भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी। इक्का 10 जुलाई 2026 को नेटफिलक्स पर रिलीज होगी। अक्षय खन्ना जल्द ही फिल्म महाकाली से तेलुगु सिनेमा में

डेब्यू करने जा रहे हैं। ये फिल्म निर्देशक प्रशांत वर्मा के सिनेमैटिक यूनिवर्स की एक सुपरहीरो पीरियड फैंटेसी फिल्म है। फिल्म में अक्षय खन्ना गुरु शुक्राचार्य की भूमिका निभाते नजर आएंगे। उनका फर्स्ट लुक सामने आने के बाद फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिला। पूजा कोल्लुरु के निर्देशन में बन रही ये फिल्म कई भाषाओं में रिलीज होगी। हालांकि, इसकी रिलीज डेट का अभी आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। **आदित्य धर की फिल्म में आ सकते हैं नजर** अक्षय खन्ना का नाम निर्देशक आदित्य धर की कथित ऐतिहासिक फिल्म से भी जोड़ा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये फिल्म चंद्रगुप्त मौर्य के जीवन पर बेस्ड हो सकती है, जिसमें प्रभास मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। वहीं, अक्षय खन्ना के चाणक्य का किरदार निभाने की चर्चा है। हालांकि, फिल्म और इसकी स्टारकास्ट को लेकर मेकर्स की ओर से अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसनमेंट नहीं की गई है।

रवीना टंडन ने बालीवुड में अभिनेत्रियों की घटती भूमिका का उठाया मुद्दा



एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन इन दिनों वेलकम 3 को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच उन्होंने बॉलीवुड की कॉमेडी फिल्मों में अभिनेत्रियों के किरदारों को लेकर अपनी राय पेश की है। रवीना टंडन की फिल्म वेलकम टू द जंगल इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई कर रही है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। इसी बीच रवीना ने बॉलीवुड की कॉमेडी फिल्मों में हीरोइनों की भूमिकाओं को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। **हीरोइनों के कॉमिक रोल अब हुए छोटे** रवीना टंडन ने 90 के दशक में अंदाज अपना अपना और दूल्हे राजा जैसी कई शानदार कॉमेडी फिल्मों में काम किया था। पीटीआई से बातचीत के दौरान, रवीना ने

कहा कि उस दौर में अभिनेत्रियों को खुलकर कॉमेडी करने का मौका मिलता था। आजकल की कॉमेडी फिल्में बहुत ज्यादा बंधी-बंधाई होती हैं या फिर उनमें बहुत सारे कलाकार होते हैं। इस वजह से हीरोइनों के हिस्से में मजेदार और हंसाने वाले सीन बहुत कम आते हैं। **श्रीदेवी और जूही चावला की तारीफ** रवीना ने मिस्टर इंडिया और चालबाज जैसी फिल्मों से साबित किया कि एक खूबसूरत हीरोइन भी बेहतरीन कॉमेडी और हाव-भाव से लोगों को हंसा सकती है। इसके साथ ही रवीना ने जूही चावला की कॉमिक टाइमिंग और गीता बाली और मधुबाला जैसी पुरानी अभिनेत्रियों के मजाकिया अंदाज की भी तारीफ की। रवीना ने कहा, आजकल की अभिनेत्रियां बहुत टैलेंटेड हैं, लेकिन फिल्मों की स्क्रिप्ट उन्हें सिर्फ सुंदर दिखने तक सीमित कर देती है। हमें ऐसे लेखकों की जरूरत है, जो महिलाओं के लिए मजेदार और हंसाने वाले किरदार लिखें, बिना यह सोचे कि उन्हें हर वक्त परफेक्ट दिखना है। **वेलकम टू द जंगल की कमाई** रवीना टंडन हाल ही में रिलीज हुई फिल्म वेलकम टू द जंगल से नजर आ रही हैं। अहमद खान के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही है और रिलीज होने के बाद से दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी है।

उम्र बढ़ने को अपमान न बनाएं

एंटरटेनमेंट डेस्क। ईशा कोपिकर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि बड़ी उम्र के पुरुष कलाकारों को अहमियत दी जाती है जबकि महिलाओं को नहीं। बॉलीवुड के कई सितारों ने ज्यादा उम्र के पुरुष कलाकारों के छोटी उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करने के खिलाफ आवाज उठाई है। अब इसमें नया नाम एक्ट्रेस ईशा कोपिकर का जुड़ गया है। उन्होंने इंटरव्यू में उम्र संबंधी भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई है। **क्या महिला की उम्र है समस्या?** ईशा कोपिकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने कहा शयह बहुत अजीब है, है ना? एक आदमी की उम्र बढ़ने को अनुभव कहा जाता है, जबकि एक महिला की उम्र बढ़ने



को समस्या। फिल्मों में हम हीरो को अपनी आधी उम्र की लड़कियों के साथ रोमांस करते देखते हैं। वे उनके हीरो बन जाते हैं। यह बहुत नॉर्मल है। **महिला मजबूत होती है** उन्होंने आगे कहा शगर कोई महिला स्टाइलिश है, अपनी बात खुलकर रखती है और अपनी अलग पहचान को सेलिब्रेट करती है, तो उससे कहा जाता है कि इस उम्र में अपनी उम्र के हिसाब से व्यवहार करो। सच तो यह है कि समय के साथ, एक महिला कम नहीं होती, वह और गहरी होती जाती है। उसका कॉन्फिडेंस शोर नहीं मचाता। वह और मजबूत होता है। उसकी खूबसूरती सिर्फ उसके चेहरे में नहीं होती। यह उसके सफर में दिखती है। झुर्रियां सिर्फ उसकी उम्र नहीं दिखातीं, वे उसके संघर्षों को दिखाती **जीवन के अनुभव देख सकते हैं** कांटे फिल्म की एक्ट्रेस ने आगे कहा, शआप उसमें उसकी हीलिंग और उसके जीवन के अनुभव को देख सकते हैं। अगर हर महिला को जीवन मिला है, तो उसकी उम्र बढ़ेगी ही। आपकी मां, आपकी पत्नी, आपकी बहन, आपकी बेटी और एक दिन आप खुद। हर किसी की उम्र बढ़ती है। इसलिए, उम्र बढ़ने को अपमान न बनाएं। हर उम्र में महिलाओं का सम्मान करें। उनकी उम्र न देखें, बल्कि उनके सफर को देखें। उनकी त्वचा न देखें, बल्कि उनकी ताकत को देखें। इसे समझें। क्योंकि गरिमा की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती। कॉन्फिडेंस की कोई उम्र नहीं होती। इस बारे में सोचें।

आलिया पर भारी पड़ी

शरवरी



एंटरटेनमेंट डेस्क। एक लंबे इंतजार के बाद आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी है। यह फिल्म दर्शकों को कैसी लगी? सोशल मीडिया पर फैंस ने 'अल्फा' को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है। आलिया भट्ट ने साल 2024 में फिल्म 'जिगरा' में एक्शन जॉनर में हाथ आजमाया था, जिसमें वह असफल साबित हुई। एक बार फिर 'अल्फा' में आलिया ने वही कोशिश की है। इस स्पाई एक्शन ड्रामा फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी हैं। जानिए, आज सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'अल्फा' फैंस, ऑडियंस को कैसी लगी।

आलिया से ज्यादा शरवरी की तारीफ

'अल्फा' को आलिया भट्ट की फिल्म बोलकर प्रमोट किया गया था, शरवरी को सपोर्टिंग रोल की तरह रिलीज से पहले दर्शक देख रहे थे। लेकिन फिल्म रिलीज के बाद आलिया पर शरवरी भारी पड़ गई हैं। कई यूजर्स आलिया से ज्यादा तारीफ शरवरी की कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'मुझे लगता है कि लोग शरवरी के लिए 'अल्फा' फिल्म देखेंगे। आलिया भट्ट में वो बात नहीं है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'लोग शरवरी की परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। यहां तक कि आलिया भट्ट, बक्षबी देओल और अनिल कपूर से भी ज्यादा।

यूजर ने आगे लिखा, कहानी शुरू से ही अंदाजा लगाने लायक है और इसमें बहुत कम ऐसे मोड़ हैं जो आपको सच में चौंका सकें। एक अन्य सोशल मीडिया यूजर ने अल्फा की कहानी को घटिया ही बता दिया। वीएफएक्स भी इस यूजर को बकवास लगे। कुछ यूजर्स ने लिखा कि फिल्म में बिकनी सीन्स बेकार ही रख गए हैं।



फिल्म अल्फा में ऋतिक रोशन का कैमियो भी है। इसे लेकर एक फैंस ने एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा, ऐसा लगता है कि बैकग्राउंड म्यूजिक तब बजता है जब कबीर फिल्म में शरवरी और आलिया भट्ट को बचाने के लिए एक खास कैमियो रोल में आते हैं। मुझे इसका थीम थोड़ी बोरिंग लगी। इसे और बेहतर और जबरदस्त बनाया जा सकता था। कहने का मतलब है कि ऋतिक रोशन का कैमियो भी अल्फा के काम नहीं आया।



वैभव को मौका नहीं मिलने पर राजीव शुक्ला ने क्या कहा? टीम प्रबंधन की आलोचना करने वालों को घेरा

स्पोर्ट्स डेस्क। वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू का मौका नहीं मिलने का मामला बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया पर टीम प्रबंधन की आलोचना हो रही है और अब बीसीसीआई का बयान भी सामने आया है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस पूरे मामले पर बयान दिया है। भारत की नई बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी को अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का मौका नहीं मिला है। इसे लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का भी बयान आया है। इंग्लैंड दौरे पर गए 15 वर्षीय युवा बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में शामिल न करने को लेकर क्रिकेट गलियारों में बहस छिड़ गई है। फैंस और कई विश्लेषकों को उम्मीद थी कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में इस युवा खिलाड़ी को डेब्यू का मौका मिलेगा। हालांकि, टीम प्रबंधन ने अभिषेक

कोच और टीम प्रबंधन को मिला बीसीसीआई का साथ



शर्मा और संजू सैमसन की अपनी आजमाई हुई सलामी जोड़ी पर ही भरोसा जताया। **गंभीर और श्रेयस की हुई थी आलोचना** वैभव को डेब्यू के लिए इंतजार कराने के फैसले के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान श्रेयस अय्यर की सोशल

मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। इससे पहले पिछले महीने आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में भी इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज को बेंच पर बैठाया गया था। भारत और इंग्लैंड के बीच शनिवार को दूसरा टी20 मुकाबला खेला जाना है। अब यह देखना होगा कि वैभव को इस

मैच में मौका मिलता है या नहीं।

कोच और कप्तान के फैसले का सम्मान करें

इस पूरे विवाद पर अब बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का बयान सामने आया है। उन्होंने टीम प्रबंधन का बचाव करते हुए मुख्य कोच और कप्तान के खिलाफ की जा रही बयानबाजी की कड़ी निंदा की है। राजीव शुक्ला ने टाइम्स नाऊ से कहा, हमारा भी यही मानना है कि वैभव एक बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और उन्होंने आईपीएल के दौरान इसे साबित भी किया है। मैंने टीम प्रबंधन और कोचों के खिलाफ कई टिप्पणियां देखी हैं, लेकिन मैं यह बिल्कुल साफ कर देना चाहता हूं कि अंतिम फैसला कोच और कप्तान ही लेंगे। वे परिस्थितियों को देख रहे हैं और जब भी सही मौका आएगा, वे वैभव को निश्चित रूप से मौका देंगे। आगे कहा कि वैभव का समय जल्द ही आएगा, लेकिन यह फैसला पूरी तरह से टीम प्रबंधन पर छोड़ दिया जाना चाहिए।

उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा, ऐसे फैसलों को टीम प्रबंधन की समझदारी पर छोड़ देना चाहिए। मुझे समझ नहीं आता कि इस बारे में ऐसी अनावश्यक टिप्पणियां क्यों की जा रही हैं।

आईपीएल 2026 में मचाया था तहलका

15 साल के वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल 2026 में उनके अविश्वसनीय प्रदर्शन के बाद राष्ट्रीय टी20 टीम में शामिल किया गया था। आईपीएल के इस सीजन में वैभव ने 16 पारियों में 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए थे, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का भी मानना था कि वैभव ने अपने असाधारण टैलेंट और प्रदर्शन के दम पर टीम इंडिया का दरवाजा खटखटाया है। हालांकि, आयरलैंड के खिलाफ मिली करारी शिकस्त के बाद भी टीम प्रबंधन उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की जल्दबाजी में नहीं दिख रहा है।

लियोनल मेसी ने विवकप में पूरे किए 20 गोल

मेसी मैजिक

डलास में अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर वर्ल्ड कप नॉकआउट राउंड में जगह बना ली। मेसी पहले एक पेनल्टी मिस कर बैठे, लेकिन इसके बाद उन्होंने दो गोल करके मिरोस्लाव क्लोसे को पीछे छोड़ दिया और वर्ल्ड कप के सबसे बड़े गोल स्कोरर बन गए। उनका यह 17वां और 18वां वर्ल्ड कप गोल था।



एम्बाप्पे पर बनाई बढ़त, गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

स्पोर्ट्स डेस्क। लियोनल मेसी ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए केप वर्डे के खिलाफ भी गोल दागा। मेसी अब तक फीफा विश्व कप इतिहास में 20 गोल कर चुके हैं जो सर्वाधिक हैं।

इसके साथ ही वह गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने फिर गोल किया और केप वर्डे के खिलाफ फीफा विश्व कप का लगातार आठवां मैच था जिसमें अर्जेंटीना के कप्तान ने कम से कम एक गोल दागा है। मेसी ने केप वर्डे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने करियर का 20वां गोल किया। वह विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे उनसे दो गोल पीछे हैं।

मेसी ने दागा मौजूदा विश्व कप का सातवां गोल

इस साल टूर्नामेंट में मेसी का यह सातवां गोल था और गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं। पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेसी



12 गोल कर चुके हैं। मेसी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिए खेलने वाले रॉड्रिगो डि पॉल ने कहा, मेरे लिए मेसी की दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं। मेसी ने मार्टिनेज के पास पर केप वर्डे के स्टार गोलकीपर वोजिन्हा को छकाते हुए यह गोल दागा। मेसी और एम्बाप्पे के अलावा नॉर्वे के एर्लिंग हालंद और इंग्लैंड के हैरी केन

भी पांच-पांच गोल करके विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में हैं। फ्रांस के उस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल, ब्राजील के विनिसियस जूनियर और सेनेगल के इस्माइला सार ने चार-चार गोल किए हैं। सार दौड़ से बाहर हैं क्योंकि सेनेगल बाहर हो चुकी है।

कभी गोल्डन बूट नहीं जीत सके हैं मेसी

नॉर्वे, इंग्लैंड और फ्रांस अंतिम 16 में हैं। केप वर्डे को हराकर अर्जेंटीना भी अगले दौर में पहुंच चुका है। मेसी ने कभी गोल्डन बूट नहीं जीता। विश्व कप 2022 में सात गोल करके वह एम्बाप्पे से एक गोल पीछे रह गए थे, जबकि 2014 में चार गोल करके संयुक्त तीसरे स्थान पर थे। अगर टूर्नामेंट के बाद शीर्ष पर टाई रहता है तो फीफा पहले टाइब्रेकर के रूप में यह देखेगा कि कितने गोल में मदद की है और दूसरा टाइब्रेकर यह होगा कि मैदान पर किसने कम समय बिताया है। एम्बाप्पे गोल में सहायता के मामले में मेसी से 2-0 से आगे हैं।

दूसरे टी20 के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग-11 घोषित

स्पोर्ट्स डेस्क। इंग्लैंड और भारत के बीच शनिवार को पांच मैचों टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला होना है। इंग्लैंड ने इसके लिए प्लेइंग-11 की घोषणा कर दी है। जोफ्रा आर्चर को इस मैच में शामिल किया गया है। भारत के खिलाफ मैनचेस्टर में शनिवार को खेले जाने वाले दूसरे टी20 मुकाबले के लिए इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन का एलान कर दिया है। टीम ने पहले मैच की तुलना में दो बदलाव किए हैं। तेज गेंदबाज जोश टंग को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिला है, जबकि जोफ्रा आर्चर की भी टीम में वापसी हुई है। जोफ्रा आर्चर और तेज गेंदबाज जोश टंग को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए आखिरी टेस्ट मैच में शामिल होने के कारण सीरीज के पहले मैच में आराम दिया गया था।

क्या किन खिलाड़ियों को मिला मौका और कौन हुए बाहर?

इंग्लैंड ने जोश टंग और जोफ्रा आर्चर को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। वहीं, साकिब महमूद और ल्यूक वुड को इस मुकाबले के लिए बाहर कर दिया गया है। गौरतलब है कि डरहम में सीरीज का पहला मैच बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गया था, जहां दूसरी पारी शुरू होने से ठीक पहले बारिश ने खेल का मजा किरकिरा कर दिया था। उस मैच में मेहमान टीम (भारत) ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 189 रन बनाए थे, लेकिन दुर्भाग्य से पूरे मैच में सिर्फ यही एक्शन देखने को मिल सका था। वर्तमान में यह सीरीज 0-0 की बराबरी पर है और ऐसे में यह दूसरा मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।



दी नैक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक
बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन
ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा
हुसैनिया बिल्डिंग बकसीपुर
गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी
गंगा टोला, निकट जानकी
बिल्डिंग मेटेरियल बसारतपुर
पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिन:- 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148, 9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।